



What is Arya Samaj?

Arya Samaj is an institution founded by Maharishi Dayanand Saraswati based on the universal teachings of the Vedas. It is an organisation propagating universal message of the Vedas for the benefit of the entire humanity.

ARYAN VOICE

YEAR 37

15/2015-16

MONTHLY

September 2015

- **Ved Katha - Saturday 29th August 2015 to Saturday 5th September 2015 (see page 24 for detailed information)**
- **Gayatri Maha Yajna - Sunday 6th September 2015 (see page 24 for detailed information)**
- **Vedic Vivah Mela (Matrimonial get together) Saturday 19th September 2015. Last Chance Register NOW for a place! (See pages 22 & 23 for detailed information)**
- **Charity Dinner - Saturday 7th November 2015 (see page 24 for detailed information)**

**ARYA SAMAJ (Vedic Mission) WEST MIDLANDS
(Charity Registration No. 1156785)**

**188 INKERMANS STREET (OFF ERSKINE STREET), NICHOLLS, BIRMINGHAM B7 4SA
TEL: 0121 359 7727 E-mail- enquiries@arya-samaj.org Website: www.arya-samaj.org**

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
Keep on Ascending	by Krishan Chopra 4
११ वाँ -वेदारम्भ सँस्कार	आचार्य डॉ. उमेश यादव 6
अध्यात्म के शिखर पर-२२	आचार्य डॉ. उमेश यादव 9
Accounts 2014/2015	13
Annual report (2014/2015) from The Board of Trustees	17
Notices to Matrimonial Members	21
Vedic Vivah Mela (Matrimonial Get-together) 2015	22
Dates for your diary	24
News (पारिवारिक समाचार)	25
D.A.V. Advert - Experienced Head Teacher wanted.	28

**For General and Matrimonial Enquiries
Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,
Except Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727
E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

10 Principles of Arya Samaj

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.**
- 2. God is existent, formless and unchangeable. He is incomparable, omniscient, unborn, endless, just, pure, merciful, beginningless, omnipotent, the support and master of all, omnipresent, unageing, immortal, fearless, eternal, and holy, and the creator of the universe. To him alone is worship due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is the paramount duty of all Aryas to read them, teach and recite them to others and hear them being read.**
- 4. All persons should always be ready to accept the truth and to give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma, i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of the Arya Samaj is to do good to the whole World i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All ought to be treated with love, justice, and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (vidya) and dispel ignorance (avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone, but Should look for one's welfare in the welfare of all.**
- 10. In matters which affect the well-being of all people the individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority; in matters that affect him alone he is free to exercise his human rights**

Keep on Ascending

अनुहूतः पुनरेहि विद्वानुदयनं पथः । आरोहणमाक्रमणं जीवतो जीवतोऽयनम् ॥
अथर्ववेद ५.३०.७

Anuhootah punarehi vidvaanudayanam pathah I
aaronnamakramnam jivato jivato ayanam II

Atharva Veda 5.30.7

Meaning in Text Order

Anuhootah= being called
Puneh = again
Ehi = tread that path
Vidvaan = being knowing
Udayanam = ascent
Pathah = path
Aarohanam = moving upward
Jivatah jivatah = every living being
Ayanam = duty.

Meaning

May we move forward and follow the direct path of our ancestors.
Moving upwards and progressing forward is the only way of living
beings.

Contemplation

Optimism and pessimism is a game of life. Where optimism uplifts
the spirit of a person pessimism lowers it. It is paramount to
maintain the balance. You cannot allow yourself to be over
optimistic. With this, if success is achieved then it becomes the

cause of dejection. Pessimism pressurises the mental faculty and does not allow your spirits to achieve their full capacity.

O man! Be optimistic, don't become prey to pessimism. Never think that you are defeated in the race of the world. Rise and fall, ascending and descending is a way of life. There are very few people in the world who have seen only bright days. Every one of us goes through bright and dark days in life before reaching their destination. If, in some aspects of life, there is failure, it does not mean that a person should become disheartened.

If the horizon of your mind is crowded with dark night, clear it with bright light of dawn. Generate the spirit of hope, courage, enthusiasm and awakening in yourself.

However, if you are stagnant on the journey, knowing that the journey of life goes upward, start ascending when being called by elders. Make sure that pessimism does not make a place in your mind. **Bhartihari** said that there are three categories of people in the world. The lowest category is of those who are always scared of hindrances and do not take the initiative to start the work. The middle category is of those who start work with enthusiasm but as soon as difficulties become apparent, they get desperate and abandon the in the middle. There are people who are of a super category, once they start the work, they do not abandon in the middle. Difficulties never stand in their way. Their enthusiasm remains intact despite the hindrances in their way. They do not abandon the task in the middle.

The test of a person depends on how a person behaves in the time of difficulty. These hindrances are part of life, they are our real test. Face them with courage. In the words of the Vedas – **udyanam te puras na avyanam..... Your aim is to ascend not to descend**

११ वाँ -वेदारम्भ सँस्कार

आचार्य डॉ. उमेश यादव

उपनयन के बाद बच्चे को द्विज बनाने का वेदारम्भ सँस्कार दूसरा नियम है । इसमें गायत्री मंत्र का अर्थपूर्वक चिन्तन, सम्पूर्ण वेद-पाठन करने का व्रत और ब्रह्मचर्यपूर्वक सत्य विद्या ग्रहण करने का व्रत धारण करना ही वेदारम्भ सँस्कार है । वेदारम्भ और उपनयन दोनों सँस्कार एक ही दिन किया जाता है लेकिन किसी कारण से उसी दिन न हो सका या मन न हो तो दूसरे दिन या एक वर्ष के अन्दर किसी अनुकूल समय में किसी दिन भी यह सँस्कार किया जा सकता है ।

गायत्री मंत्र का प्रासंगिक अर्थ महर्षि दयानन्द ने वेदारम्भ सँस्कार के अन्तर्गत ऐसा लिखा जो अत्यन्त प्रभावोत्पादक है- “(ओ३म्) यह मुख्य परमेश्वर का नाम है, जिस नाम के साथ अन्य सब नाम लग जाते हैं । (भूः) जो प्राण का भी प्राण, (भुवः) सब दुःखों से छड़ानेहारा , (स्वः) स्वयं सुखस्वरूप और अपनी उपासकों को सब सुख की प्राप्ति कराने हारा है, उस (सवितुः) सब जगत् की उत्पत्ति करने वाले , सूर्यादि प्रकाशकों के भी प्रकाशक, समग्र ऐश्वर्य के दाता, (देवस्य) कामना करने योग्य, सर्वत्र विजय कराने हारे परमात्मा का जो (वरेण्यम्) अति श्रेष्ठ ग्रहण और ध्यान करने योग्य (भर्गः) सब क्लेशों को भष्म करने हारा , पवित्र शुद्धस्वरूप है । (तत्) उसको हम लोग (धीमहि) धारण करें । (यः) जो परमात्मा (नः) हमारी (धियः) बुद्धियों को उत्तम गुण-कर्म-स्वभावों में (प्रचोदयात्) प्रेरणा करे । इसी प्रयोजन के लिये इस जगदीश्वर की स्तुति-प्रार्थनोपासना करना । और इससे भिन्न किसी को उपास्य ईष्ट देव उसके तुल्य वा उससे अधिक नहीं मानना चाहिये । ”

इसे आधुनिक ढँग से विचार करें तो वेदादि शास्त्रों का अध्ययन एक ऊँची शिक्षा है । आज जो बच्चे ऊँची शिक्षा हेतु महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में जाते हैं उन सबका वेदारम्भ होना चाहिये । आचार्य द्वारा गायत्री मंत्र का विशद् उपदेश और आश्रम-निवास के नियमों का मार्ग-दर्शन कराना

ही वेदारम्भ सँस्कार का मुख्य उद्देश्य है । यहीं पर ब्रह्मचारी /ब्रह्मचारिणी को योग्य आचार्य/आचार्या द्वारा मुख्यरूप से सम्पूर्ण आचार-संहिता का उपदेश भी दिया जाता है कि वे बच्चे अपने अध्ययन-काल में पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करें । यह उपदेश निश्चित ही बच्चों को ब्रह्मचर्य के पालन और विद्याध्ययन में यथोचित रूप से लाभप्रद होता है ।

महर्षि दयानन्द ने यहाँ विद्यार्थियों को प्रमुखतः निम्न पाँच विन्दुओं पर ध्यानाकर्षित करने का उपदेश दिया ।

१. नियत समय पर जागना- रात्रि के अंतिम प्रहर में जागना और नियत क्रिया-विधि (शौच, दन्त-धावन, स्नान आदि) से निवृत्त होकर नित्यप्रति संध्योपासना, ईश्वर-स्तुति-प्रार्थनोपासना और योगाभ्यास करना ।

२. अनावश्यक उपस्थेन्द्रिय को न छूना, ब्रह्मचर्य का पालन करते हुये योगाभ्यास द्वारा ऊर्ध्व रेता बनने का प्रयास करते रहना इत्यादि प्रक्रियाओं का अभ्यास से अधिकाधिक वीर्यरक्षा होती है जो अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है ।

३. तेलादि से शरीर का मालिश करना उचित है । खाने-पीने का संयम बहुत आवश्यक है । अति खट् टा, तीखा, कसैला, क्षार (लवण आदि) तथा रेचक (जमाल घोटा आदि) द्रव्यों का सेवन नहीं करना चाहिये ।

४. नित्य ही शुद्ध आहार-विहार का सेवन करते हुये सतत विद्योपार्जन में जुड़े रहना ही विद्यार्थी का धर्म है ।

५. सभ्य (सभा में बैठने योग्य होना), सुशील (सच्चरित्र बनना) और मित भाषी (यथायोग्य आवश्यकतानुसार बोलना) होना विद्यार्थी का मुख्य लक्षण है । उन्हें ऐसा ही बनने का प्रयास करना चाहिये । ध्यातव्य नोट- ये सारे नियम आज

के विद्यार्थी भी करें तो उन्हें विद्यार्जन और चरित्र के निर्माण में अधिक से

अधिक लाभ होगा ।

विद्याध्ययन का काल- वैसे तो विद्याध्ययन का कोई काल सीमित नहीं है तथापि आश्रम-व्यवस्था में यह निर्धारित है कि विद्याध्ययन का न्यूनतम समय २५ वर्ष तक और अधिकतम समय ४८ वर्ष तक शास्त्रीय नियम है । इस क्रम में यह बताना उचित होगा कि २५ वर्ष का विद्याध्ययी ब्रह्मचारी रुद्र, ३६ वर्ष तक वसु और ४८ वर्ष तक का आदित्य कहलाता है । जो जितना अधिक ब्रह्मचर्य का पालन कर विद्याध्ययन करेगा वह उतना ही अधिक बलवान, विद्वान् और दीर्घायु होगा । मनुष्य सामान्यतः १०० वर्ष या इसके आगे-पीछे की आयु पाता है लेकिन ब्रह्मचर्य पालन से अधिकाधिक आयु संभव है । “जीवेम शरदः शतं, भूयश्च शरदः शतात्” मंत्र में पढ़ा गया है अर्थात् सौ वर्ष और इससे भी आगे तक जीने की प्रार्थना की गयी है । यजुर्वेद में १५०, २००, ३०० वर्ष तक भी जीने की प्रार्थना है । “त्र्यायुषं जमदग्नेः कश्यपस्य त्र्यायुषम् । यद्वेदेषु त्र्यायुषं तन्नोऽस्तु त्र्यायुषम् ”॥ यह यजुर्वेद का प्रसिद्ध मंत्र है । इसमें परमेश्वर से ३०० वर्ष तक जीने की प्रार्थना की गयी है । महाभारत काल में भी भीष्म, कृष्ण, अर्जुन आदि की आयु सौ वर्ष से अधिक ही बतायी गयी है । उपनिषद् काल के ऋषियों की उम्र भी ऐसी ही लम्बी बतायी गयी है । यह सब जीवन शैली पर निर्भर है । अतः शुद्ध आहार-विहार और ब्रह्मचर्यपूर्वक जीने की अत्यन्त महत्ता है ।

आशीर्वाद- यहाँ महर्षि दयानन्द ने आशीर्वाद हेतु अत्यन्त मार्मिक वाक्य लिखा । एक विद्याध्यायी ब्रह्मचारी की उपलब्धि मानो इसी आशीर्वादीय वाक्य में पूरी तरह गिना दी है -“ हे वालक, त्वमीश्वरकृपया विद्वान् शरीरात्मबलयुक्त कुशली वीर्यवान् अरोगः सर्वाविद्या अधीत्याऽस्मान् दिदिक्षुः सन्नागम्याः” अर्थात् हे वालक, ईश्वर की कृपा से तुम विद्वान्, शरीर व आत्मा से बलवान् , कुशल, वीर्यवान् और निरोग बनो । सारी विद्याओं को पढ़कर हमें देखने की ईच्छापूर्वक आगे समावर्तन-विवाह हेतु वापिस आना । ऐसा है महर्षि दयानन्द के सपनों का वालक । युवा-युवतिओं में जब ये गुण आयेंगे तभी देश महान बन पायेगा और मानव-संस्कृति भी सदैव जागृत रहेगी ।

वेद-ज्ञान-विषय:

परमात्मा ने वेद को चार ऋषियों के माध्यम से संस्कृत भाषा में ही प्रकट किया । संस्कृत ही सृष्टि की आदि भाषा है । यही भाषा अन्य सभी विश्व की भाषाओं का कारण माना जाता है । अगर परमात्मा वेद को किसी अन्य भाषा में प्रकट करता तो वह निश्चित ही वहाँ का पक्षपाती होता जहाँ की वह भाषा होती । अतः पृथिवि आदि सृष्टि सब देशवासियों के लिये एक सी है; वैसे ही ईश्वरीय वेद ज्ञान व उसकी भाषा भी सबके लिये एक जैसी है । संस्कृत भाषा का आजकल प्रचार कम अवश्य है क्योंकि अब अलग-अलग देशों के लोगों की भाषा भी अलग होकर विकसित हुई हैं । संस्कृत सीखने में सबको समान परिश्रम करना पड़ेगा, इस कारण परमात्मा पक्षपाती नहीं है । उसने सबके समान कल्याणार्थ वेद ज्ञान प्रकाशित किया है ।

निम्न कारणों से वेद ईश्वरीय ज्ञान सिद्ध है _

१. जैसा ईश्वर पवित्र, शुद्ध, सर्वविद्यायुक्त, न्यायकारी, अजन्मा, अनन्त, सर्वव्यापक, अजर, अमर, अभय व सृष्टिकर्त्ता है वैसा ही गुण-कर्म-स्वभाव वाला ईश्वर वेदों में वर्णित है । स्वयं के बारे में स्वयं से अच्छा कौन बता सकता है ?
२. प्रत्यक्ष आदि प्रमाण , आप्त पुरुषों व महात्माओं के कथन और विज्ञान के विरुद्ध जिसमें कथन नहीं है; वही ईश्वरकृत है ।
३. ईश्वर का विनम्र ज्ञान यथावत् जिस पुस्तक में वर्णित है वही ईश्वरोक्त सिद्ध है ।

४. परमेश्वर और उसकी सृष्टि आदि क्रम यथावत् जिस पुस्तक में लिखा है वही वेद ज्ञान ईश्वरोक्त है ।

५. वेद प्रत्यक्षादि प्रमाणों के अनुकूल है । शुद्धात्मा आप्त पुरुषों के कथनानुसार जो पुस्तक है, वही ईश्वरोक्त मान्य है ।

इस तरह वेद के समान बाइबल, कुरान आदि अन्य पुस्तकें नहीं हैं क्योंकि ये पुस्तकें मनुष्यकृत हैं । इसका विस्तार कथन सत्यार्थप्रकाश के १३वें और १४वें समुल्लास में बाइबल, कुरान आदि के प्रकरण में प्रस्तुत है । विशेष ज्ञान हेतु वहाँ देखा जा सकता है ।

वेद कोई साधारण ज्ञान नहीं है । यह ईश्वरीय ज्ञान होने से सबसे भिन्न है । इसमें मानवीय गुण-कर्म-स्वभावों का वर्णन तो है पर मनुष्यादि का कोई इतिहास नहीं है । मनुष्यकृत ज्ञान में इतिहास की गुंजायस है पर ईश्वरीय ज्ञान में कदापि नहीं । हाँ वेद में सृष्टि-उत्पत्ति का ज्ञान है क्योंकि यह कार्य ईश्वर का है अतः इस विषय को अपने दिये गये वेद ज्ञान में स्वयं परमेश्वर ने विस्तार से वर्णित किया है । एक और बात विशेष जानें । वेद में जो मंत्र प्रयुक्त हैं; उनका संगठन छन्द, मात्रा आदि सब लौकिक संस्कृत ग्रन्थों से भिन्न है । यही कारण है कि आज तक अरबों वर्ष पुराना होते हुये भी वेदों में कोई परिवर्तन नहीं आया, न हि कोई इसमें बाहर से जोड़/मिलावट ही । मनुष्यकृत प्रायः सभी ग्रन्थों में मिलावट/जोड़ आदि वृद्धि पायी जाती है । बाइबल, कुराण, महाभारत, रामायण आदि सब मिलावट के स्पष्ट उदाहरण हैं ।

वेदज्ञान-विकास व इसका प्रचार- प्रथम वेद का ज्ञान आर्यावर्त के तिब्बत स्थान में चार पवित्र आत्माओं अग्नि, वायु, आदित्य और अँगिरा ऋषि के पवित्र हृदय में परमेश्वर द्वारा प्रकाशित हुआ माना जाता है । वहीं से लोग जहाँ-जहाँ गये, वहाँ के लोग विद्वान् होते गये । पूर्व मिश्र, यूनान और यूरोप के लोग तो विद्याहीन ही थे । कहा जाता है कि अमेरिका में भी ईंग्लैंड से जब कुलुम्बस

आदि विद्वान् गये तो उनसे वहाँ के लोगों ने विद्या सीखी, वरणा तब तक तो वहाँ के लोग विद्याविहीन ही थे । ईंग्लैंड में भी आर्यावर्त्तीय लोगों के आने पर ही विद्या का प्रचार हुआ । किंवदन्ती है कि अँगिरा ऋषि की संतानें ईंग्लैंड आदि के देशों में आकर वस गये थे । इस प्रकार पुराना इतिहास देखने पर पता चलता है कि वेद ज्ञान ही सबसे पुराना है; सब भाषाओं का मूल है जिसे विना पढ़े कोई विद्वान् नहीं बना । हाँ, आज तो अन्य भाषाओं के भी जो विद्वान् पाये जाते हैं उनका मूल ज्ञान भी तो वेदों में प्राप्त है जो हजारों, लाखों, करोड़ों वर्ष पहले लोगों को आर्यावर्त्तीय विद्वानों से मिला था । वेद को कोई बदल नहीं सकता; न हि बदल सका अत एव वेद ही ईश्वर द्वारा दिया गया ज्ञान है । इस कारण ही महर्षि पतँजलि ने ईश्वर को ही सबसे पुराना गुरु उद्घोषित किया-“ स पूर्वेषामपि गुरुः कालेनानवक्षेदात् ।-योग सूत्र-समाधि पाद- २६ अर्थात् वह परमात्मा ही सबका अनादि गुरु है जो काल से भी अबाधित है; जिसने सृष्टि बनायी है, जो इसे चला रहा है और जो ही समय आने पर इसका संहार भी करता है । अतः सदा सर्वदा हमें उसी की उपासना करनी चाहिये ।

वेद और परमेश्वर-सम्बन्ध-विषय

अभी हम वेद, वेद-ज्ञान और परमेश्वर के सम्बन्धों के बारे में जानने का यत्न कर रहे हैं । यह निश्चित है कि चारो वेद संस्कृत भाषा में ही प्रकाशित हुये । अग्नि, वायु, आदित्य और अँगिरा ऋषि को भी संस्कृत भाषा, वेद-भाषा व वेदार्थ बोधन सब ज्ञान परमेश्वर द्वारा ही प्राप्त हुआ । प्रारम्भ में जब ये चार ऋषि ध्यानावस्थित होकर समाधिस्थ हुये तब ईश्वर के स्वरूप में अवस्थित होने से परमेश्वर ने कृपा कर अभीष्ट मंत्रों की भाषा व उनका अर्थ भी उनके ज्ञान में भर दिया । पश्चात् इन चार ऋषियों ने अन्यो को वेदार्थ प्रकाश कराया और इस प्रकार आगे से आगे वेद ज्ञान बढ़ने लगा । वेदार्थ को सरल रूप से समझने के लिये ही बाद के ऋषि-मुनियों ने वेद-विषयों को समझाने के क्रम में ब्राह्मण, उपनिषद्, दर्शन, व्याकरण, स्मृति आदि ग्रन्थ बनाये । इन ग्रन्थों में इतिहास भी

प्राप्त है क्योंकि ये ग्रन्थ मनुष्यकृत हैं पर वेद में इतिहास नहीं है क्योंकि वेद ईश्वर कृत हैं । मनुष्यकृत ग्रन्थों में समय-समय की घटनाओं की चर्चा होती है; राजाओं, दुर्गों, स्थानों -विशेष की चर्चाये होती हैं पर वेदों में ऐसा नहीं है । इससे यह स्पष्ट है कि ब्राह्मण आदि ग्रन्थ को वेद नहीं कहेंगे वल्कि वेदों की व्याख्यान ग्रन्थ कहेंगे । थोड़ा इसे समझें-

“ऋषयो मन्त्रदृष्टयः मन्त्रान्सम्प्रादुः”- इसका भाव यह है कि जिस-जिस मन्त्रार्थ का दर्शन जिस-जिस ऋषि को सबसे पहले हुआ अर्थात् इससे पहले

पूर्व के चार ऋषियों के अलावे किसी और को नहीं हुआ, तब उस-उस मन्त्र का वह ऋषि बना । उस मन्त्र का अर्थ प्रकाशक के रूप में इतिहास के तौर पर उसका नाम सम्बन्धित वेद मन्त्र के साथ जोड़ दिया गया । इसी कारण सभी वेद-मंत्रों के ऋषि -नाम भी लिखे मिलते हैं । अर्थ-प्रकाशक “ऋषि” और मन्त्र-विषय “देवता” के नाम से जाना जाता है । इस प्रकार हर मन्त्र का ऋषि और देवता अर्थात् उसका विषय पूर्व से ही निर्धारित हैं । इससे यह स्पष्ट हो गया कि पूर्व के चार ऋषियों को तो अलग-अलग एक-एक वेद का ज्ञान प्राप्त हुआ पर अन्य हजारों ऋषियों को भी एक-एक मन्त्र का अर्थ -वोधन भी उनके प्रयास और ईश्वर की कृपा से हुआ । जिस-जिस ने समाधिस्थ भाव में आकर पूर्व उपलब्ध मन्त्र का अर्थ-चिन्तन किया, ईश्वर की कृपा से उस-उस के हृदय में तद् मन्त्र का अर्थ प्रकाशित हुआ । इस तरह से उस-उस मन्त्र के साथ सम्बन्धित ऋषि का नाम जुड़ गया । इसे हम इतिहास कहेंगे । आगे से आगे भी ऋषि-मुनि, आचार्यों द्वारा किये गये हर प्रयास का इतिहास व्याख्यान-ग्रन्थों के रूप में बनता गया पर मूल वेदों में सृष्टि, इसकी उत्पत्ति, आत्मा, परमात्मा, जीवन-सिद्धान्त, मानव-मूल्य इत्यादि के अलावे कोई इतिहास नहीं है । हाँ, स्वयं वेद-ज्ञान का प्रकाश जो सृष्टि के प्रारम्भ में मानव कल्याण के लिये उपरोक्त चार ऋषियों के पवित्र हृदय में ईश्वर के द्वारा किया गया, वस, यही वेद का काल-वोध इतिहास है, अन्य नहीं ।

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

(UK Charity registration Number 506019)

188, Inkerman Street, Nechells, Birmingham, B7 4SA, United Kingdom
Tel: 0121 359 7727; Email: enquiries@arya-samaj.org; Website: www.arya-samaj.org

INCOME and EXPENSES A/C for

Period 1st April 2014 to 22nd April 2014

	2014 (Full Year figures)	1st April 2014 to 22nd April 2014***
Income		
Donations	£16,111	£1,078
Diwali Event		£0
Aryan Voice, Book sale, Misc etc.	£0	£0
Vedic Marriage Sacrament Activities	£18,665	£2,790
Membership Subscriptions	£1,278	£40
Tax Refund - HMRC	£0	£0
Hall Hire charges	£0	£0
Interest Received	£26	£6,001
	£36,080	£9,909
LESS		
Expenses		
Aryan Voice Publication	£3,360	£0
Bank charges	£66	£0
Cleaning, Equipment Maintenance etc.	£1,645.00	£26
Dakshina Paid	£0.00	£0
Diwali Event Exp	£0.00	£0.00
FOOD & DRINKS	£6,172.00	£0.00
HEAT & LIGHT	£4,223.00	£401.36
INSURANCE	£1,846.00	£0.00
Legal charges	£5,026.00	£0.00
MISC EXPENSES	£635.00	£0.00
POSTAGE	£2,114.00	£230.00
VVM Event Expenses	£41.00	£0.00
Repairs and Maintenance	£995.00	£0.00
Salary and NI	£20,555.31	£0.00
Sermons on Radio	£100.00	£100.00
Stationary and Printing	£368.00	£14.95
Telephone	£800.00	£17.21
Water Rates	£968.00	£0.00
Depreciation	£1,485	£0
Total	£50,199	£790
Nett Profit / Income	-£14,119	£9,120

Notes to financial Statements for the Period 1st April 2014 to 22nd April 2014

***ASWM was registered as a Charitable Incorporated Organisation (CIO) with effect from 23rd April 2014. These accounts are for the period 010415 to 220415 to complete the accounts for the previous charity and then transfer the accounts to the new Charitable Incorporated Organisation (CIO).

34

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

(Registered CIO - Charity Number 1156785)

188, Inkerman Street, Nethells, Birmingham, B7 4SA, United Kingdom
Tel: 0121 359 7727; Email: enquiries@arya-samaj.org; Website: www.arya-samaj.org

INCOME and EXPENSES A/C for

Period 23rd April 2014 to 31st March 2015

	(1st accounts) CIO registered on 230414	2015
Income		
Donations		£18,411
Diwali Event		£4,000
Aryan Voice, Book sale, Misc etc.		£125
Vedic Marriage Sacrament Activities		£19,390
Membership Subscriptions		£1,510
Tax Refund - HMRC		£8,202
Hall Hire charges		£3,910
Interest Received		£6
		£55,554
LESS		
Expenses		
Aryan Voice Publication		£4,135
Bank charges		£306
Cleaning, Equipment Maintenance etc.		£766
Dakshina Paid		£152.00
Diwali Event Exp		£610
FOOD & DRINKS		£8,709.00
HEAT & LIGHT		£3,045.05
INSURANCE		£1,647.58
Legal charges		£1,895.00
MISC EXPENSES		£80.00
POSTAGE		£2,690.29
VVM Event Expenses		£125.54
Repairs and Maintenance		£3,815.85
Salary and NI		£19,173.01
Sermons on Radio		£1,000.00
Stationary and Printing		£413.69
Telephone		£430.92
Water Rates		£1,964.73
Depreciation		£1,185
Total		£52,145
Nett Profit / Income		£3,409

Notes to financial Statements for the year ended 310315

- 1: Expenses include provision of £4582 for all unpaid expenses as at 310315 - calculated on actual basis.
- 2: AIB has started charging for activities - Bank charges; we should try to get free banking with them or with any other Bank as a charity
- 3: Water rates have shown a big jump; I am advised that the Trustees are working on this; we need to ensure this is not repeated.

38

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

(UK Charity registration Number 506019)

188, Inkerman Street, Nechells, Birmingham, B7 4SA, United Kingdom
Tel: 0121 359 7727; Email: enquiries@arya-samaj.org; Website: www.arya-samaj.org

Statement of Assets and Liabilities

as at
31st March 2015

22.04.14

	2014	2015
Fixed Assets		
Land and Building	£104,964	£104,964
Furniture, Fittings and Equipment	£11,182	£10,645
	£116,146	£115,609
Current Assets		
Cash in Hand	£201	£160
Bank Current Account	£6,303	£10,001
Bank Term Deposit Account	£50,000	£56,000
	£56,504	£66,161
TOTAL	£172,650	£181,770
LESS		
Current Liabilities		
ACCRUALS	£910	£910
Total	£910	£910
Nett Current ASSETS	£171,740	£180,860
Represented by:		
RESERVES		
Accumulated Funds B/F	£185,860	£171,740
Nett SURPLUS / DEFICIT for the year	£14,120	£9,120
Closing Balance	£171,740	£180,860

Approved

Narendra Kumar
Dr Narendra Kumar
Chairman of Trustees

Harish Malhotra
Harish Malhotra
Trustee - Treasurer

Ashok K Bakshi
Ashok K Bakshi
Independent Examiner

47

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
(Registered CIO - Charity Number 1156785)

188, Inkerman Street, Nechells, Birmingham, B7 4SA, United Kingdom
Tel: 0121 359 7727; Email: enquiries@arya-samaj.org; Website: www.arya-samaj.org

Statement of Assets and Liabilities as at

31st March 2015

	23/4/14		2015

Fixed Assets			
Land and Building	£104,964		£104,964
Furniture, Fittings and Equipment	£10,645		£9,610
		£115,609	£114,574
Current Assets			
Cash in Hand	£160		£232
Bank Current Account	£10,001		£18,045
Bank Term Deposit Account	£56,000		£56,000
		£66,161	£74,277
TOTAL	£181,770		£188,851
LESS			
Current Liabilities			
ACCRUALS	£910		£4,582
Total		£910	£4,582
Nett Current ASSETS		£180,860	£184,269
Represented by:			
RESERVES			
Accumulated Funds B/F	£171,740		£180,860
Nett SURPLUS / DEFICIT for the year	£9,120		£3,409
Closing Balance		£180,860	£184,269

***** **Statement of Assets and Liabilities as at 230414 - date of registration of the CIO.**

Approved

Narendra Kumar
Dr Narendra Kumar
Chairman of Trustee

Harish Malhotra
Harish Malhotra
Trustee - Treasurer

Ashok K Bakshi
Ashok K Bakshi
Independent Examiner

48

Annual report (2014/2015) from The Board of Trustees presented by Secretary Dr Arvind Sharma for the AGM on 26th July 2015 Held at Arya Samaj Birmingham

Last year has been a year of consolidation after previous year of recovery from the past traumatic events. Last year Arya Samaj has seen much improvement in its financial position. We have continued to hold various functions with better attendance and there has been positive feeling among its members looking forward to better times.

HS2: As members have been aware that Arya samaj building has been under compulsory purchase order by the department for Transport because of new high-speed train project. There has been no new development in the last year. It is still envisaged that our building will be acquired by the end of 2016 and we have time till then to find the new place. We had a meeting with Birmingham council to make them aware of our requirement but so far nothing has been found. We are also going to have meeting with Sandwell council. The aim is to find a place in Handsworth area or near to it as far as possible so that we are near to our community. The Board will continue working towards this aim.

DAV Primary free School in Handsworth: Board of Trustees has been looking at the possibility of starting DAV Primary free School for Hindu community in Handsworth where Children from our community can be given education of a high standard along with Vedic values. It would be a state funded school. In this regard an education subcommittee has been established. Survey has been taking place among the community and so far we have collected more than 60 applications in support of such school. We have applied to NSN for grant and further support in developing application to Department for Education for this school. We hope to apply to the DfE in autumn for approval and grant to open this

school. At present we desperately need an input from head/deputy head teacher but so far we have not been able to find one who could get involved in the application process.

Letter from Chairman to life members: Following discussion in the board of trustees Dr Kumar wrote a letter to life members in August last year telling them that Arya Samaj made a loss of £14000 in the last financial year and that we are trying to make as many savings as possible. He appealed to life members to start paying £15 a year if they want Aryan Voice delivered each month or £10 a year if they want it via the internet. They were also informed that if they don't respond then they would stop getting the Aryan Voice. There was a good response but about 25 life members did not respond. After some grace period from next month those who did not respond will stop getting copy of Aryan Voice.

Sponsored Yajmans: Total sponsored Yajmans for Sunday Havans in the last 12 months were 38. After previous year drop there has been an increase in the number this year. We hope there would be further increase in sponsored havans next year.

Sanskars performed by Acharyaji: Acharyaji performed 45 sanskars in the last 12 months. These include marriage ceremonies, Birthday havans, general havans and other occasions. The number of havans performed has been stable. The donation received for these sanskars is £3665. This is slightly more than the last year and has been a welcome contribution towards the Arya Samaj finances.

Last year Arya Samaj organised 12 functions on various themes. Report on some of the functions is as below:

Republic day celebrations: The celebrations were held on 1st February. About 140 people attended the function. Mr Pradhan, acting Consul General of India was the chief guest. Lord Mayor of Birmingham

and Ms Shabana Mahmood, MP from Nacelles also attended the event. There was usual mix of songs, dance performances by children from Arya Samaj dance learning group and speeches by different guests.

Gayatri Maha Yajna: Annual Maha Yajna was held on 7th Sept. It was attended by 150 people. As ever it was well-organised and well run event with havans performed under the guidance of Acharyaji. Dr Saroj Adhlakha sponsored the havan with supportive contribution from Mrs Malhotra, Rajiv Dutta, Dr Narendra Kumar, Mr Joginder Pal Sethi and Dr P Gupta. Arya Samaj is thankful to all those who contributed towards this worthy cause.

Diwali celebrations and charity dinner: We celebrated Diwali and also held a charity dinner on 8th November at Arya Samaj Bhavan. More than 250 people including our family members, friends and well-wishers of Arya Samaj attended this function. Mr Pradhan, acting Consul General of India was chief guest. Shankar sweet house provided free food and event was also sponsored by Brittainic warehouse, and Balu travels that provided raffle prizes. There was presentation by local dance group, songs and gazals by Mr D D Joshi. We were able to save more than £2597 from this event. My thanks to all those who worked hard to make this charity dinner a success.

Ved Katha week: Ved katha week was organised from 11th to 17.th August. It was on Bhagwad Geeta explained from Vedic point of view. It was explained by Acharyaji in his evening sessions, which were well attended and appreciated. On the last day of Katha week Arya Samaj also celebrated India's Independence Day and Shri Krishna Janamashtmi.

Matrimonial get-together: It was held on 18th October 2014 at Arya Samaj Bhavan. It was a successful get-together attended by thirty-two participants. There was very good feedback and all the participants were happy with the format and support during the event. The only down side was that some of the participants had signed up for the event but did not

turn up and some of them even did not call to inform us. This was disappointing, as some of the participants had travelled long distance to participate in this event.

Nepal Earthquake appeal: After the devastating earthquake in Nepal in May, Arya Samaj organised an appeal to support rescue efforts for the affected people. We organised one Sunday as appeal day to collect donation and I am happy to say that we collected £2750 for the relief fund. We have donated this money to Nepal Doctors Association who is providing emergency medical support to those who were injured in the earthquake. My thanks to all those who contributed towards this relief fund.

The above is the short summary of developments and functions held in the last 12 months. It is only a snap short and by no means the only work done. We could not have run Arya Samaj and various functions with out unquestioned support from regular members and volunteers who are keeping this institution active and dynamic. I would like to take this opportunity to thank all those unsung heroes who devoted their time and efforts to make last year a successful one and I hope Arya Samaj will continue getting their enthusiastic support in the future.



Notices to Matrimonial Members

Please note that office hours have changed

Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm

Except Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.

Bank Holidays – Closed

Tel. 0121 359 7727

LAST CHANCE !!!!!!!!!!!!!!!

Vedic Vivah Mela is on Saturday 19th

September 2015 (Matrimonial Get Together).

**All information and forms can be found on our
website - www.arya-samaj.org.**

**Alternatively request an application form by
ring 0121 359 7727 or emailing**

enquiries@arya-samaj.org.

(See pages 30 & 31 for detailed information)

Send in your form NOW.

Only a few weeks left!

VEDIC VIVAH MELA (Matrimonial Get Together) **2015**

Date: Saturday 19th September 2015

Venue: Arya Samaj West Midlands, Erskine Street, Nechells,
Birmingham B7 4SA (Road Map available on our Website)
www.arya-samaj.org

Time: 11.30am – 5pm

Cost: £25.00 per applicant. **NO GUESTS**

Buffet: Vegetarian meal included with soft drinks (no alcohol will be allowed or served)

How will it work?

We will have registration, welcome drink, light snacks and mingling.

Speed dating - Members will meet each other for a period of 3 to 4 minutes, during which you will be able to chat and find out about each other. (If you like the person, make a note of their ref number on the packs given on the day and we will send you there information by email). When the time is up, a bell will sound; you will change partner and repeat the process.

Once the speed dating is over, late lunch will be served and everyone is free to mingle some more before the end of the event.

We will explain the above and other details of the event on the day.

What you need to do now?

This Get-together is strictly for Arya samaj west Midlands registered matrimonial service candidates only. So if you are not registered as yet and wish to benefit from this event where you can meet personally a number of prospective partners hurry up and join. Forms are available on our website www.arya-samaj.org. Or tel. 0121 359 7727

This time we have decided to limit the number of participants, so please send your application forms well before the day of the event because it is first come first served basis. **(Form can be found on website or by calling the office)**. For the smooth running of the event, all the information must be processed and the paper work completed for the participants on their arrival. Applications received after 7th September 2015, would not be entertained. But please do not wait till the last date. It might be too late.

Sorry at this event we are not allowing guest. If you bring someone with you on the day they will be refused entry.

Please send application forms and cheques made payable to 'Arya Samaj West Midlands. **(Applicants £25)** with a self addressed stamped envelope to Arya Samaj West Midlands, Erskine Street, Nechells, Birmingham B7 4SA .You will be sent confirmation by post and email. You will have to bring this with you on the day or no entry will be allowed. Regrettably no entry will be available on the day, so please register in advance.. **If you come on the day without an entry confirmation it would be a wasted journey.**

So what are you waiting for? Look no further and think no further! Send in your application forms and cheque today!

We look forward to welcoming you to the event where you have the prospect of meeting that special SOMEONE!!

Dates for your diary

Ved Katha

By

Acharya Manoj Kumar Shastri, MA (Sanskrit) Bhajnopadeshak from India. Ved Katha starts from Saturday 29th August and finishes Saturday 5th September 2015 on every evening from 7.30pm till 9.00pm at Arya Samaj Bhavan.

Gayatri Maha Yajna

This auspicious Yajna will be held on Sunday 6th September 2015. The programme will start from 11am and complete by 1pm. Rishi Langer will be served afterwards. Those of you who would like to be Yajman please get in touch with our Office either by phoning 0121 359 7727 or emailing on enquiries@arya-samaj.org

Charity Dinner

Charity Dinner will be held on Saturday 7th November 2015 evening. This will be a ticketed event in order to raise funds for our Arya Samaj. We have booked renowned Bollywood Singers Mr Hitesh and Mrs Rama Jobanputra.

News

Condolence:

- **Mr. Rajender Khatana & family for the loss of his father Mr. Moti Lal Khatana on 21st August 2015. May God grant eternal peace to the departed soul & give strength to every member of this family & relatives to bear the time of sorrow.**

Congratulation:

- **Mr. Madan Mohan Sharma sponsored Rishi Langar on 19th July 2015 in Arya Samaj being Yajman for family, prosperity & happiness.**
- **Mrs. Vimla Dodd for her son Vikram's birthday celebration havan in Arya Samaj on 26th July 2015. May God bless them for good healthy & happy life.**
- **Dr. Narendra Kumar and Mrs Shama Kumar for the performance of Upanayan Sanskar of their granddaughter (Natini) Sirisha Andrea Main daughter of Dr Andrew & Mrs Priyanka Main in Arya Samaj West Midlands on 9th August 2015. Congratulations to Mr Duncan & Mrs Barbara Main (Dada & Dadi). May God bless Sirisha with good education & a long and healthy life.**
- **Mr. Rajiv Ranjan and Mrs. Neha for their Grih-pravesh havan and been blessed with son child (new baby) was named as Rayan Ranjan. May they all be happy in life.**
- **Mr. Jogender Pal Sethi & Mrs. Santosh Sethi for being Yajman on 16th August 2015 and sponsoring Rishi-Langar at celebration of Indian Independence Day in Arya Samaj WM. May God bless this whole of family for all prosperities and happiness.**

Many cordial thanks to all yajmans, sponsors and donors

Donations to Arya Samaj West Midlands

• Mrs. S.K. Soni	£125
• Mr. Madan Mohan Sharma for Rishi-Langar & donation	£261
• Mr. S.K. Julka	£51
• Mr. Vinod Mehta	£50
• Mr. Baldev Kapila	£21
• Mrs. K Datta	£11
• Mr. Vivek Vadhva	£116
• Mrs. Asha Verma	£5
• Mrs. Vimla Dodd for Rishi-Langar & donation	£176
• Mr. Prem Nanda	£20
• Mrs Parminder Sahni	£50
• Mrs. Asha & Scott Bacon	£50
• Mr. Krishan Laroia	£201
• Mr. Jogender Pal Sethi for Rishi-Langar & donation	£580
• Mr Hitesh Arya	£20
• Dr Narendra Kumar for Rishi-Langar & donation	£451

Donations to Arya Samaj through Priest Services.

• Dr. Pramod Sabharwal	£51
• Mrs. Nirmala Joshi	£51
• Mr. Rajender Khatana	£250
• Mr. Santosh Guhroy	£50
• Mr. Rajiv Ranjan	£101

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on
0121 359 7727
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises are licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 6th September 2015 & 4th October 2015**

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

E-mail- enquiries@arya-samaj.org

Website: www.arya-samaj.org

Experienced Head Teacher wanted

Experienced Head Teacher wanted for an exciting Free Primary School project.

The Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is in the process of applying to open a Free Primary School in Birmingham in September 2016.

We are looking for a Head Teacher to advise us through application process and School's Educational plan and to help set the strategic vision for the School based on our core values and the new national curriculum.

Have you:

- Successfully led a Primary School to Ofsted rating good or outstanding?
- Recently retired or moved away from headship?
- Got time and passion to be involved something new?

If you are interested, we would be delighted to hear from you.

Please get in touch by phoning on 0121 3597727 or email at enquiries@arya-Samaj.org. You can call us for an informal chat.

We are willing to pay a fee for your time.